जे.डी.ई.ई./एफ–11/2025

पशुओं में कीटनाशक विषाक्तता के प्रायमिक उपचार एवं रोकथाम के उपाय

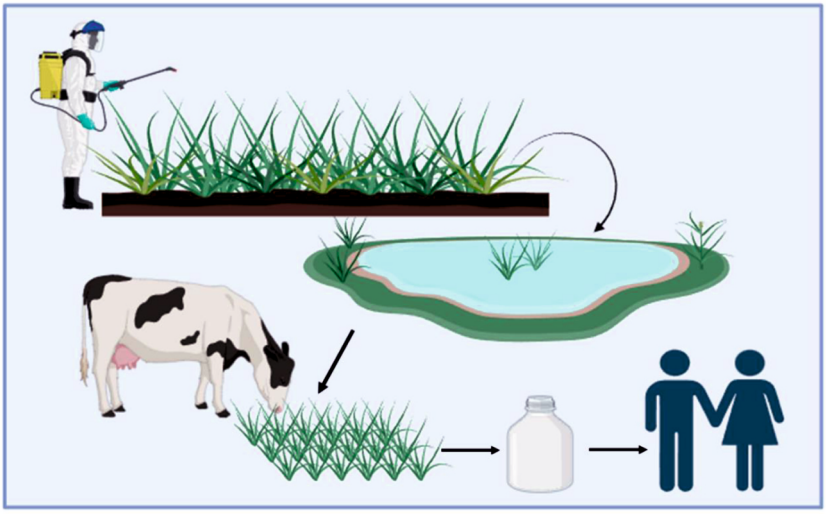

मीमांसा शर्मा, अनीशा बी.ए., आनंद मोहन मिश्रा, ठाकुर उत्तम सिंह

भा.कृ.अनु.प.- भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान
इज्जतनगर–243122 (उ०प्र०) भारत

परिचय

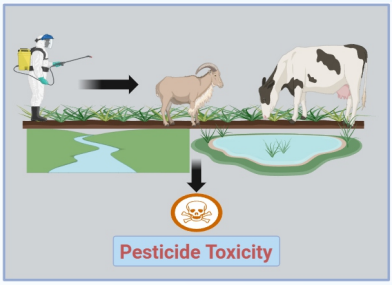

पशुओं में कीटनाशक विषाक्तता तब होती है जब कीटनाशक, जो कि कीटों, कृंतकों, खरपतवारों, घोंघों, फफूंद आदि को नियंत्रित करने के लिए उपयोग किए जाते हैं, पशुओं के संपर्क में आते हैं। ये कीटनाशक अप्रत्याशित जीवों जैसे कि पशुओं को ज्यादातर प्रभावित करते हैं। पशु कीटनाशकों के संपर्क में सीधे संपर्क, निगलने या श्वसन के माध्यम से आते हैं। पशुओं द्वारा कीटनाशकों का आकस्मिक निगलना विषाक्तता का एक सामान्य स्रोत है। यह तब होता है जब पशु गलती से कीटनाशक पदार्थों को खा लेते है, जैसे कि प्रदूषित पानी, घास, या खुले स्थानों पर रखे गए कीटनाशक। सामान्य कीटनाशकों में पाइरेथ्रॉइड्स, ऑर्गेनोफॉस्फेट्स, ऑर्गेनोक्लोरीन, कार्बामेट्स, रोडेंटिसाइड्स, हर्बिसाइड्स आदि शामिल हैं। विषाक्तता के लक्षण कीटनाशक के प्रकार पर निर्भर करते हैं, और कुछ सामान्य लक्षणों में लार आना, उल्टी, दस्त, असंतुलन, कंपन, कमजोरी या सांस लेने में कठिनाई शामिल है। आवश्यक सावधानियाँ बरतकर और संभावित कीटनाशक विषाक्तता के लिए तैयार रहकर, पशुओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा की रक्षा की जा सकती है। पशुओं में कीटनाशक विषाक्तता की रोकथाम और उपचार के लिए कुछ रणनीतियाँ इस प्रकार है:

कीटनाशक विषाक्तता की रोकथाम

1. कीटनाशकों का उचित उपयोग:

- हमेशा निर्माता द्वारा दिए गए निदेशों का पालन करते हुए कीटनाशकों का उपयोग करें।
- कीटनाशकों का छिड़काव अच्छी हवादार जगहों पर करें और यह सुनिश्चित करें कि छिड़काव के समय पशु वहां उपस्थित न हों।
- पशुओं और पालतू जानवरों को उन क्षेत्रों से दूर रखें जहाँ कीटनाशकों का उपयोग किया गया हो।

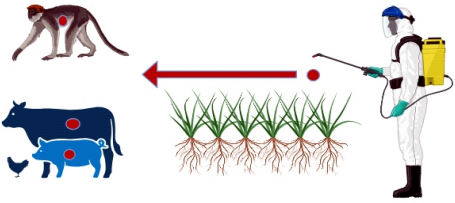

चारे पर कीटनाशक के छिड़काव द्वारा कीटनाशक का पशुओं में दुष्प्रभाव

2. **कीटनाशकों का सुरक्षित भंडारण:**

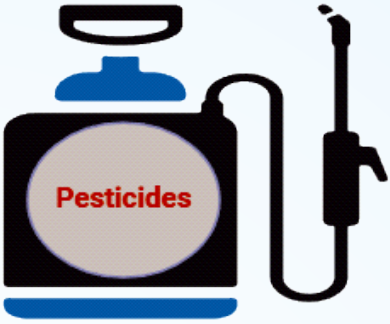

- कीटनाशकों को बंद कंटेनरों में और उन स्थानों से दूर रखें जहाँ पशु सामान्यत: आते-जाते हों।
- कीटनाशकों को हमेशा उनके मूल, लेबर वाले कंटेनरों में रखें ताकि भ्रम न हो और पशुओं द्वारा आकस्मिक निगलने से बचा जा सके ।

3. **रासायनिक रहित विकल्पों का उपयोग:**

- जैविक या प्राकृतिक कीट नियंत्रण विधियों (जैविक नियन्त्रण, मैनुअल नियन्त्रण, आवास संशोधन, प्राकृतिक विकर्षक) का उपयोग करें जो पशुओं के लिए कम हानिकारक हों।

4. **कीटनाशकों की सुरवित हैंडलिंग और निष्पादन:**

- कीटनाशकों को पकड़ते समय हमेशा सुरक्षात्मक वस्त्र पहनें और सीधे त्वचा के संपर्क से बचें।
- अनावश्यक या समाप्त हो चुके कीटनाशकों का उचित तरीके से निष्पादन करें।

कीटनाशक विषाक्तता का उपचार

यदि किसी पशु में कीटनाशक विषाक्तता का संदेह हो, तो तत्काल उपचार की आश्यकता होती है। उपचार कीटनाशक के प्रकार पर निर्भर करता है, लेकिन सामान्य उपचार के चरण निम्नलिखित हैं:

1. **कीटनाशक स्रोत की पहचान तथा निष्पादन:**

- यदि कीटनाशक का कोई स्रोत पहचान में आता है, तो उसे जल्द से जल्द निष्पादित करें।
- तुरंत पशु को संदूषित क्षेत्र से हटा दें।

2. **पशु-चिकित्सक से परामर्श:**

- उचित उपचार के लिए तुरंत पशु-चिकित्सक से संपर्क करें।

3. **पशुओं और पालतू जानवरों को दूषण से मुक्त करना:**

- अगर कीटनाशक का संपर्क पशु की त्वचा के माध्यम से हुआ है तो पशु को गुनगुने पानी और हल्के साबुन से नहाकर कीटनाशक का अवशेष हटा दें।

- यदि पशु ने कीटनाशक निगल लिया है और वह होश में है तथा गंभीर विषाक्तता के लक्षण नहीं दिखा रहा है, तो पशु-चिकित्सक उल्टी करवा सकते हैं या वॉश (लवेज) कर सकते हैं। सक्रिय कार्बन भी दिया जा सकता है ताकि विषाक्त पदार्थक अवशोषित हो जाएं।
- यदि पशु में कीटनाशक का संपर्क श्वसन नली के माध्यम से हुआ है तो उसे तुरंत ताजा हवा में ले जाएं और उसकी श्वसन दर को मापते रहें।

4. सहायक देखभाल:

- पशु को स्थिर करने और लक्षणों जैसे दौरे, कंपन या श्वसन पीड़ा को नियंत्रित करने के लिए अंत:शिरा द्रव चिकित्सा, ऑक्सीजन और दवाएँ जैसे डाइजेपाम का उपयोग किया जा सकता है।

5. विशिष्ट प्रतिरोधी दवाएँ :

- ऑर्गेनोफॉस्फेट विषाक्तता में एट्रोपिन और कोलीनेस्टेरेस एंजाइम रिएक्टवेटर जैसे प्रालिडॉक्साइम (Pralidoxime), ओबिडॉक्साइम (Obidoxime) का उपयोग किया जा सकता है।
- कार्बामेट विषाक्तता में एट्रोपिन दिया जा सकता है।
- एंटिकोआगुलेंट रोडेंटिसाइड विषाक्तता (जैसे वारफारिन) में विटामिन K का उपयोग किया जा सकता है।

निष्कर्ष:

पशुओं में कीटनाशक विषाक्तता से बचाव और उचित उपचार से उनके जीवन को बचाया जा सकता है। रोकथाम के उपायों को ध्यान में रखते हुए और पशु चिकित्सक की मदद से इस गंभीर समस्या से निपटा जा सकता है। समय पर सही कदम उठाने से कीटनाशक विषाक्तता के खतरों को कम किया जा सकता है, और आपके पालतू पशु को स्वस्थ्य रखा जा सकता है।

संरक्षक एवं निर्देशन	:	**डॉ. रूपसी तिवारी**, संयुक्त निदेशक, प्रसार शिक्षा
सम्पादक	:	**डॉ. अखिलेश कुमार**, वरिष्ठ वैज्ञानिक, औषधि विभाग **डॉ. रूपसी तिवारी**, संयुक्त निदेशक, प्रसार शिक्षा
प्रकाशक	:	**डॉ. त्रिवेणी दत्त**, निदेशक एवं कुलपति
		भाकृअनुप- भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर
संस्करण	:	2025
मुद्रक	:	**बाइट्स एण्ड बाइट्स**, बरेली